

## गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

### आयुर्वेद और विज्ञान का समन्वयन बना वरदान

पंतनगर। 31 मई 2021। विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 'आयुर्वेद का महत्व' विषय पर वर्तमान कोविड-19 वैश्विक प्रकोप होने पर वेबिनार का आयोजन वर्चुअल मोड में किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता, रूद्रपुर निवासी 'पद्मश्री' श्री बालेन्दु प्रकाश थे।

वेबिनार का उद्घाटन करते हुए कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने आयुर्वेद की उत्पत्ति एवं इतिहास के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में आयुर्वेद का महत्व और अधिक बढ़ जाता है क्योंकि आयुर्वेदिक औषधियों का मानव शरीर पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। वर्तमान वैश्विक महामारी में अनेक ऐसे समाचार पढ़ने को मिलते रहते हैं, जिसमें लोग आयुर्वेदिक दवाओं का सेवन कर अपने को स्वस्थ कर रहे हैं।

निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा, ने समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मानव को यदि स्वस्थ रहना है तो धीरे-धीरे आयुर्वेदिक औषधि, बुजुर्गों से सीखे हुई परम्पराओं, खान-पान, रहन-सहन इत्यादि को अपनाना होगा, अन्यथा आने वाला समय स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक चुनौतियों से भरा होगा। निदेशक शोध, डा. अजीत सिंह नैन, ने वेबिनार के मुख्य वक्ता 'पद्मश्री' श्री बालेन्दु प्रकाश के जीवन परिचय एवं उनके प्रमुख उपलब्धियों को साझा किये।

'पद्मश्री' श्री बालेन्दु प्रकाश ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कोविड-19 वायरस का पहचान, शरीर में संक्रमण एवं इसके निदान के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कोविड-19 सहित अनेक अन्य बीमारियों के आयुर्वेदिक उपचार के बारे में भी विस्तार से बताया। प्रस्तुतीकरण के दौरान उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति, दिन-प्रतिदिन बढ़ते मानसिक तनाव, हमारा रहन-सहन, देर से सोना एवं सुबह देर से जगना इत्यादि बढ़ती उम्र के साथ हमारे शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। कोई भी खाद्यान्न सब्जी, फल इत्यादि जिस सीजन में होता हो, उसी समय खाना चाहिए उन्होंने इस पर विशेष बल दिया।

इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिक, छात्र एवं कृषक सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबिनार में संयुक्त निदेशक (कृषि प्रसार), डा. अनुराधा दत्ता; प्राध्यापक (पशुपालन), डा. संजय चौधरी; प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), डा. बी.डी. सिंह एवं श्री घनश्याम जोशी आदि उपस्थित थे।